सन्त भीखादास महाविद्यालय, अयोध्या के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन

Comparative study of Adjustment Level of female and male Players of Sant Bhikhadas Mahavidyalaya, Ayodhya

Paper Submission: 12/12/2021, Date of Acceptance: 23/12/2021, Date of Publication: 24/12/2021

अनिल कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर,
शारीरिक शिक्षा खेल एवं योग विज्ञान संस्थान,
डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय,
अयोध्या, उत्तर प्रदेश,
भारत

सारांश

समायोजन एक सहयोगी सामाजिक प्रक्रिया है। समायोजन समाज में व्यक्ति या समूह को जोड़ने वाली प्रक्रिया है। यह संघर्ष से सहयोग की ओर बढ़ने का प्रथम चरण है। जब भी दो विरोधी पक्ष प्रतिस्पर्धा या संघर्ष समाप्त करके सहयोग करना चाहते हैं तो सर्वप्रथम वे एक दूसरे से समायोजन स्थापित करते हैं व्यक्ति या समूह की यह स्वाभाविक प्रवृत्ति रही है कि वे संघर्ष को पसंद नहीं करते या हमेशा संघर्ष या प्रतियोगिता नहीं कर सकते हैं। इसी संघर्ष की स्थिति को टालने के लिए जो समझौता किया जाता है, उसे ही समायोजन कहते है। यह समायोजन संघर्षरत व्यक्तियों के बीच या तो स्वयं या किसी माध्यम के द्वारा स्थापित किया जाता है।

Adjustment is a collaborative social process. Adjustment is the process of adding individuals or groups to society. This is the first step in moving from conflict to cooperation. Whenever two opposing parties wish to cooperate by ending competition or conflict So first of all they adjust with each other. It has been the natural tendency of the individual or group that they do not like conflict or cannot always struggle or compete. The settlement which is done to avoid this conflict situation is called adjustment.This adjustment is established between the conflicting persons either by themselves or through some means.

मुख्य शब्दः सन्त भीखादास महाविद्यालय, संघर्ष या प्रतियोगिता, खिलाड़ियों।

Keywords: Sant Bhikhadas Mahavidyalaya, struggle or competition, players.

प्रस्तावना

समायोजन से अभिप्राय है परिस्थितियों के अनुसार अपने आपकों बदलना, जिससे उस परिवेश में बिना टकराव के जीवन यापन किया जा सके। ऐसे शब्द को विज्ञान के एक शब्द अनुकूलन का पर्यायवाची माना जा सकता है अनुकूलन की क्षमता ही जीवों को विशेष परिस्थितियों में जीवित रखती है, परिवेश के मुताबिक कुछ ऐसे गुण व विशेषताएं विकसित हो जाती है जिनके द्वारा वह उस परिवेश में आसानी से रह सके। जैसे ऊंट के गद्दीदार पैरों का होना उसे रेगिस्तान में चलने में बड़ी सहायता प्रदान करता है।

समस्या कथन

‘संत भीखादास महाविद्यालय, अयोध्या के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन’’

अध्ययन का उद्देश्य

‘संत भीखादास महाविद्यालय, अयोध्या के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना’’

परिकल्पना

‘संत भीखादास महाविद्यालय, अयोध्या के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर में अन्तर होगा’’

साहित्य का पुनरावलोकन

मिश्र, नितिन कुमार (2011), बनर्जी, शशि (2011) अनीता (2010), ज्योति कुलकर्णी, वन्दना भारती और नन्दनी राखेड़ (2009), याज्ञलव चन्द्रशेखर एवं पाधी, सम्बित कुमार (2009), मिश्रा, शालिनी (2009), श्रीवास्तव जाहवी तथा सिंह, आर0एन0 (2009), सिंह घंगडू (2009) ने इस विषय पर कार्य किया।

प्रतिदर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन हेतु अयोध्या के संत भीखादास महाविद्यालय के 50 खिलाड़ियों का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श विधि से किया गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाडी है।

चर

साहित्य के पुनरावलोकन एवं विद्वानों के साथ चर्चा के आधार पर, इस अध्ययन के लिए चर के रूप में समायोजन का चयन किया गया।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में समायोजन क्षमता के अध्ययन हेतु डॉ0 एच0एस0 अस्थाना द्वारा निर्मित एडजस्टमेन्ट इन्वेन्टरी की सहायता ली गयी है।

समंक संकलन की प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन हेतु संत भीखादास महाविद्यालय के 50 खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाड़ी है।

समंक विश्लेषण हेतु सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग Statistical Techniques to be sued for Analysis of Data)

शोध प्रक्रिया के अन्तर्गत प्राप्तांकों के रूप में समंकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया। इसमें मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-मूल्य की गणना की गयी।

समंक विश्लेषण एवं अध्ययन का परिणाम

सारणी

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के मध्य समायोजन स्तर में अन्तर

Category	N	Mean	SD	'T' Ratio	Level of Confidence
महिला खिलाड़ी	25	112-2	9-24	2-06	0-05
पुरूष खिलाड़ी	25	101-7	10-0		

ग्राफ

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के मध्य समायोजन स्तर में स्तर का ग्राफीय प्रदर्शन

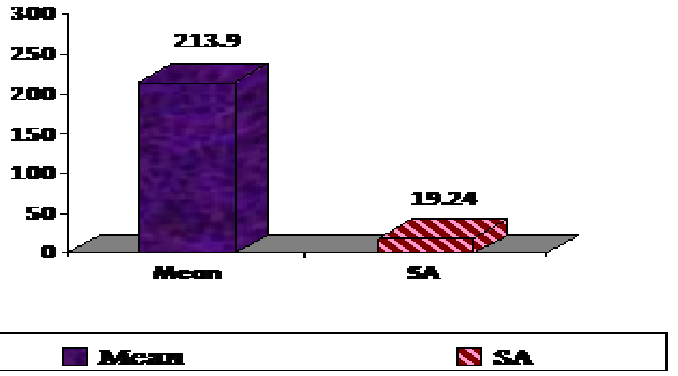

अध्ययन का परिणाम

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के दोनो समूहों के प्राप्त अंकों के अनुसार माध्य 112.9 और 102.7 जिसका मानक विचलन क्रमशः 9.24 और 10.0 मापा गया, जिसके अनुसार टी-अनुपात 2.06 विश्वसनीयता स्तर 0.05 है। प्राप्त परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि खिलाड़ियों का समायोजन स्तर लगभग समान है।

सुझाव

1. खिलाड़ियों को अपने खेल में नवीन का प्रयोग कर खेल को रूचिकर बनाना चाहिए।
2. खिलाड़ियों को इस प्रकार व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाए कि वे भविष्य में अपने व्यवसायिक वातावरण में समायोजन कर सके।
3. प्रशिक्षकों के द्वारा खिलाड़ियों को सामूहिक कार्य करने के लिए देना चाहिए जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन व समायोजन की भावना का विकास हो सके।
4. प्रशिक्षकों को विद्यार्थियों की रूचियों के अनुकूल खेलों को कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। जिससे उन्हें खेल के दौरान समायोजित होने में कठिनाई अनुभव न हो।
5. प्रशिक्षक स्वयं वातावरण से पूर्णतः समायोजित रहे क्योंकि वह विद्यार्थियों के लिए आदश्र प्रस्तुत करता है।
6. खिलाड़ियों के ज्ञान व अभ्यास का मुख्य आधार उनकी जिज्ञासा की प्रवृत्ति होती है। अतः प्रशिक्षण को इस प्रवृत्ति को जागृत रखने और तृप्त करने का प्रयास करना चाहिए।
7. प्रशिक्षण के समय खिलाड़ियों में विभिन्न खेल विधाओं में रूचि उत्पन्न हो जाती है। अतः प्रशिक्षक को उन्हें नए-नए परिप्रेक्ष्य में समायोजित होने के अवसर प्रदान करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *अंग्रवाल, सुभाष चन्द्र, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति एवं सामान्य जाति के छात्रों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन Online Journal, ;38;1) 83-86-,2008.*
2. *एम कपूर, Early Childhood Stimulation and Optimum mental development Unpublished data. WHO-NIMHANS Project, 1990*
3. *एम0वी0आर0 राजु और ख्वाजा भाहमुतुला, Adjustment Problems among school students, Journal of the Indian Academy of Applied Psychology, 33(1) : 73-79-2007.*
4. *एम0सी0राजु और ख्वाजा भाहमुतुला, Journal of the Indian Academy of Applied Psychology, 2007.*
5. *ए0 सरकार Prevalence and pattern of Psychological disturbances in 8-11 year old school going children. Unpublished M.phil dissertation. Bangalore university, Bangorle, 1990.*
6. *कन्नापन, कालीप्पन, लक्ष्मी Modification of daily hassle stress and uplifts in Adolescent deviant boys, Indian Journal of Criminology, 1993 (Jan.) 21 (1), 9-16, 1999.*
7. *कत्याल, सुधा एवं वसुदेव, Gender differences in Academic stress and its correlates. Personality study and Group Behaviour, 31-38, 2001.*
8. *के0 अलका, Type-A behaviour pattern and stress among twelfth standard students. Journal of Psychological Researches, 2004, 48 (1), 33-40, 2004.*
9. *कुंड़ु, रामनाथ, चक्रबोर्ती एवं परमीता, search for the non-cognitive predictors of scientific knowledge and Aptitude. Praachi Journal of Psycho-Cultural Dimensions, 1994, 10 (1&2) 5-10, 1994.*
10. *चमोली तथा चौहान, भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका वर्ष 23 अंक 2 जून से दिसम्बर 2004 पृ0 सं0 19-77*
11. *ज्योति, कुलकर्णी, वंदना, भारती और नन्दनी राखेड़ Journal of the Indian Academy Adjustment problems among young adolescents. Indian journal of Community Psychology, 2005, 1 (1) 150-158.*
12. *थनमौजी, एस0 एवं करूणानिधि, effect of family structure on behavioural adjustment problems among young adolescents. Indian journal of community psychology, 2005, 1(1) 150-158.*
13. *मिश्रा, नितिन कुमार "किशोरावस्था में बालकों की समायोजन समस्याओं का अध्ययन करना एव उसका भौतिक महत्वः खरगोन जिले के संदर्भ में "International Referred Research Journal, Vol. 3 issu 35 pp-16-17, 2011.*
14. *शुक्ला, आशा एवं पाण्डेय, Personal Adjustment Problem of introvert and extrovert and Adolescents of Hindi and English Medium Schools, Purvanchal of Social sciences, 1994, Jan & July, 2 (1&2) 23-28, 1994.*
15. *श्रीवास्तव जान्हवी एवं सिंग, आर0एन0, Effects of socioeconomic status on adjustment neuroticism. Indian Journal of Human Relations, 35, 29-34, 2009.*